महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. डी.पी. सिंह एवं डॉ. डी.पी. सिंह जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव

दिनांक : 28 अगस्त, 2024। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रा. डी.पी. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थापना के महज तीन साल में इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, नवाचार और अन्वेषकीय दृष्टि की मिसाल कायम की है। जल्द ही यह विश्वविद्यालय अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल मॉडल के रूप में नजर आएगा और उनका मार्गदर्शन करेगा।

प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए यूजीसी के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि स्थापना दिवस विगत वर्ष की स्मृतियों पर गौरवान्वित होने का अवसर देता है। यह आत्म अवलोकन का अवसर होता है कि पिछले वर्ष हमारे लक्ष्य क्या थे, हमने कौन से संकल्प को पूरा किया और आगे हमारे लक्ष्य क्या होंगे। ऐसे में विद्यार्थियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने जीवन के उद्देश्य और लक्ष्य के प्रति जागरूक रहें। प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की मातृ संस्था

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद विशाल वटवृक्ष है। इसकी शाखाओं से शिक्षा, चिकित्सा के संस्थान निरंतर नवाचारों से प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रहे है।

प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके कुलाधिपति के रूप में उनकी मंशा है कि यह विश्वविद्यालय देश का ही नहीं विश्व का प्रतिनिधित्व करें। कुलाधिपति के स्वप्न को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति अपनी जड़ें मजबूत करनी होंगी। संवेदनशीलता, दया, करुणा, प्रेम, शांति का संदेश लेकर विश्व कल्याण और मानव सेवा के भाव का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उन्नति हुई है। उत्तर प्रदेश उत्तम से आगे सर्वोत्तम प्रदेश की दृष्टि से आगे बढ़ रहा है। योगी जी भारतीय ज्ञान परंपरा के ध्वज वाहक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में जिज्ञासा होनी चाहिए, सीखने की प्रवृत्ति होनी चाहिए, नए टेक्नोलॉजी के साथ क्षमता को विकसित करने का संकल्प होना चाहिए।

निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा विश्वविद्यालय : डॉ. जी.एन. सिंह

विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जी.एन. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपने तीसरे स्थापना वर्ष में निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। इस विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ चिकित्सा में भी उत्कृष्ट पहचान स्थापित की है। यह विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी संकाय ने 15 लाख रुपये का अनुदान लाने का उल्लेखनीय कार्य किया है।

भारत सरकार और उच्च शिक्षा विभाग के प्रयास से यहां शिक्षा को और उन्नत बनाने पर मंथन किया जा रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ यहां के लिए चिंतित रहते है। आज जरूरी है कि विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से स्किल डेवलपमेंट से प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त नए नवाचार के लिए अपना लक्ष्य साधे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी सौभाग्यशाली : डॉ. माहेश्वरी : समारोह में बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं। यहां शिक्षा और रोजगार का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता। इस विश्वविद्यालय ने ऐसी शिक्षा पर जोर दिया है जिससे रोजगार की समस्या न रहे और यहां के विद्यार्थी समाज और देश की सेवा में अपना भरपूर योगदान दे सकें।

उन्होंने कहा कि यहां का मेडिकल कॉलेज पूरे देश में नजीर बनने की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर जेएसएस हॉस्पिटल मैसूर के पूर्व निदेशक कर्नल डॉ. आर.के. चतुर्वेदी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की नींव में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचार अनुप्राणित हैं तो इसे गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ का दूरदर्शी मार्गदर्शन प्राप्त है। पूरी उम्मीद है कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अनुशासन की आंच में तपकर शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। समारोह में बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट को सीनियर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने भी विद्यार्थियों को जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि कई चुनौतियों का सामना करते हुए अल्पकाल में इन विश्वविद्यालय ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। ऊंचे संकल्प से आबद्ध इस विश्वविद्यालय ने अनुशासन और संस्कार, संस्कृति की पवित्रता के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज ने पूरे उत्तर प्रदेश के शीर्ष 10 कॉलेज में अपना स्थान बनाकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। समारोह में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। समारोह में विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आभार ज्ञापन नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा और संचालन डॉ. शशिकांत सिंह ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती, भारत माता, गुरु गोरखनाथ, महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ के चित्रों पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। समारोह में एनसीसी कैडेट्स ने अतिथियों को गार्ड आफ ऑनर दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह,

पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

ओवरऑल चौंपियन बना ऑरेंज हाउस : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कला, संस्कृति, साहित्य और खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर ऑरेंज हाउस ने ओवरऑल चौंपियन का खिताब जीता। साथ ही ऑरेंज हाउस के बीएसएसी द्वितीय वर्ष के छात्र सिद्धांत श्रीवास्तव को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रथम स्थान की ट्राफी से सम्मानित किया गया। अंकों के आधार पर रेड हाउस को दूसरा और ब्लू हाउस को तीसरा स्थान मिला।

डॉ. रेखा माहेश्वरी जी को स्मृति चिन्ह भेंट करती डॉ. डी.एस. अजीथा एवं कर्नल (डॉ.) आर.के. चतुर्वेदी स्मृति चिन्ह भेंट करते डॉ. मंजूनाथ एन.एस.

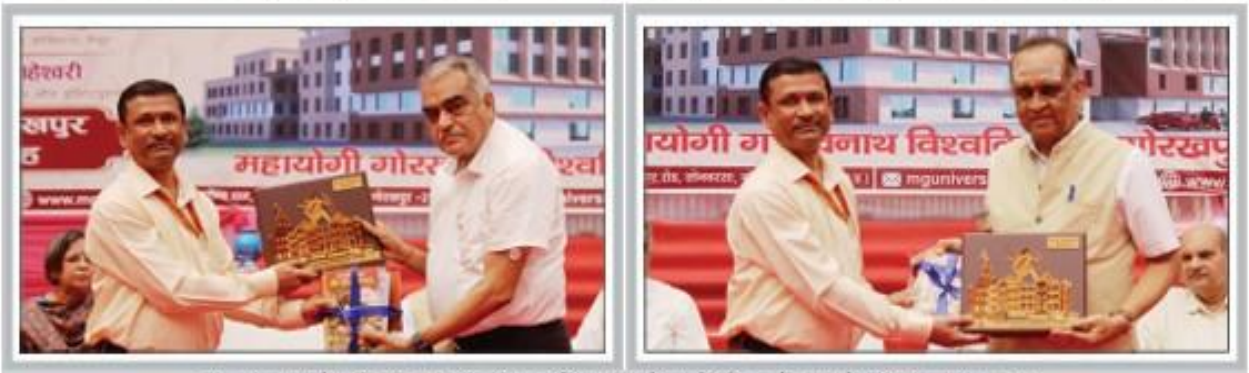

डॉ. संजय माहेश्वरी जी एवं डॉ. जी.एन. सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते डॉ. मंजूनाथ एन.एस.